

## १४. मेरी माँ

### प्रस्तावना

रामप्रसाद बिस्मिल

(जन्म : 1887 ई., निधन : 1927 ई.)

\* मित्रो रामप्रसाद बिस्मिल की अगर बात करे तो, उत्तरप्रदेश के शाहजहाँपुरमें एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाले असाधारण व्यक्ति। पिता ने रोज़ी रोटी की तलाश में गांव छोड़ा और ग्वालियर में आके रहने लगे। उनके पिता साधारण पढ़े लिखे थे। और परिवार का पालन और बच्चों की पढाई कचहरी में सरकारी स्टाम्प बेचकर करते थे।

रामप्रसाद के अभ्यास की अगर बात करे तो उर्दू मिडिल के परीक्षा में दो बार असफल होने पर उन्होंने अंग्रेजी मिडिल की पढाई की। और खुदसे ही अभ्यास करके बांग्ला भाषा सीखी थी। शुरुआतमें आर्यसमाज की प्रवृत्तियों से जुड़े और बादमें क्रान्तिकारी संगठन में सक्रीय हुए। काकोरी रेल डकैती में मुख्य आरोपी के रूपमें उनको फांसी की सजा हुई और वे शहीद हो गए।

उन्होंने लेखन क्षेत्र में भी काम किया। उन्होंने आरम्भ में 'राम' तथा 'अज्ञात' नाम से दो पत्र पत्रिकाएँ लिखीं। कई लेखों का बांग्ला से हिंदी भाषा में भी अनुवाद किया। उन्होंने जेल में रहकर अपनी आत्मकथा लिखी जिसे अपनी फांसी के दो दिन पहले पूरा करके किसी तरह जेल के बहार भिजवा दी। जिसके कुछ अंश श्री गणेशशंकर विद्यार्थी के संपादन में 'काकोरी के शहीद' नाम से छपे। इस पाठ में रामप्रसाद बिस्मिल ने अपने जीवन के निर्माण में अपनी माता का अवर्णनीय योगदान के बारेमें लिखा है। वो अपनी माता के इस योगदान का ऋण कभी भी अदा नहीं कर पाएंगे ऐसा उनका मानना था। तो चलिए हम इस पाठ के माध्यम से रामप्रसाद बिस्मिल के अपने माता के प्रति विचार को जानते हैं।

### स्वाध्याय

#### १. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश क्या था ?

उत्तर : बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश था कि किसी की प्राणहानि न हो। उनका कहना था कि अपने शत्रु को भी कभी प्राणदंड न देना।

२. बिस्मिल की एकमात्र ईच्छा क्या थी ?

उत्तर : बिस्मिल की एकमात्र ईच्छा थी की एकबार श्रद्धापूर्वक अपनी माता के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बनाना।

३. बिस्मिल ने वकालत नाम मे हस्ताक्षर क्यो नही किए ?

उत्तर : बिस्मिल ने वकालत नामे मे हस्ताक्षर नही किए क्योकि यह काम उन्हे धर्मविरुद्ध लगा ।

४. बिस्मिल की माताजी के विचार पहले की अपेक्षा उदार कब हो गए थे ?

उत्तर : बिस्मिल की माताजी ने पढ़ना लिखना सीख लिया उसके बाद वे पुस्तक पढ़ने लगी, तब उनके विचार पहले की उपेक्षा अधिक उदार हो गए ।

## २. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों मे उत्तर दीजिए :

१. बिस्मिल को अपनी एकमात्र ईच्छा क्यो पूरी होती दिखाई नही दे रही थी ?

उत्तर : बिस्मिल की एकमात्र ईच्छा थी की वो अपनी माता के चरणों की श्रद्धापूर्वक सेवा करे और अपने जीवन को सफल बनाये पर उनकी यह ईच्छा पूरी होती दिखाई नही दे रही थी क्योकि उन्हे फासी की सजा हुई थी और वो जेल मे थे ।

२. अंतिम समय के लिए बिस्मिल अपनी माँ से क्या वर मांगते है ?

उत्तर : अंतिम समय के लिए बिस्मिल अपनी माँ से यह वर मांगते है कि अंतिम समय भी उनका हृदय किसी प्रकार विचलित न हो और अपनी माता के चरण – कमलों को प्रणाम कर वे परमात्मा का स्मरण करते हुए शरीर – त्याग करे ।

३. गुरु गोविंद सिंह की पत्नी ने अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई क्यो बांटी ?

उत्तर : गुरु गोविंदसिंह के पुत्रों ने धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण त्यागे थे । जब गुरु गोविंदसिंह की पत्नी ने यह खबर सुनी तो वह प्रसन्न हो गई और उन्होंने ने गर्व से लोगों मे मिठाई बांटी ।

४. बिस्मिल की माँ ने शिक्षा प्राप्त करने के लिए क्या क्या प्रयत्न किए ?

उत्तर : बिस्मिल के जन्म के पाँच – सात साल बाद उनकी माताने पढ़ना शुरु किया था । मुहल्ले की अपने घर पर आनेवाली शिक्षित सुखी – सहेलियों से वे अक्षर – बांध करती थी। घर के काम-काज करके जो समय मिलता उसमे वो अपना पढ़ना लिखना करती । इस तरह थोड़े ही दिनों मे वे देवनागरी पुस्तकों का अध्ययन करने लगी ।

### ३. निम्नलिखित प्रश्नों के चार – पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. बिस्मिल की आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक उन्नति में उनकी माँ का क्या योगदान रहा ?

**उत्तर :** बिस्मिल की अपनी पिता और दादी से बनती नहीं थी। उनमें संस्कारों का सिंचन उनकी माता ने किया। जब बिस्मिलने आर्यसमाज में प्रवेश किया तब उनकी माता ने उनको समर्थन दिया। देशसेवा के कार्यों के लिये प्रोत्साहित किया। उनकी माता ने स्नेह से और डांट से उनमें तरह तरह के गुण प्रतिपादित किये। लखनऊ कांग्रेस में शामिल होने के लिये माता ने बिस्मिल को खर्चा दिया। बड़े से बड़े संकट में कभी अधीर होने नहीं दिया। इसलिए ऐसा कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा कि बिस्मिल को बिस्मिल उनकी माता ने ही बनाया। माँ के कारण ही बिस्मिल की आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक उन्नति हुई है।

२. बिस्मिल की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ?

**उत्तर :** रामप्रसाद बिस्मिल आरंभ से ही असाधारण थे। वे धर्मविरुद्ध कोई भी कार्य करते नहीं थे। परिणाम की चिंता किये बिना वो निडर होकर सत्य बोलते थे। सत्य के पुजारी थे। उनके जीवन में उनकी माता का विशेष स्थान था। वो अपने गुरु और माता की आज्ञा का सदैव पालन करते थे। वे साधारण मनुष्य की तरह गृहस्थजीवन में रुचि नहीं लेते थे। ब्रह्मचर्य के आग्रही थे। वो सच्चे देश प्रेमी थे। उन्होंने देश के लिए हसते मुख फांसी का स्वीकार किया।

३. आपको बिस्मिल की माता के किन गुणों ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया ? क्यों ?

**उत्तर :** बिस्मिल की माता विवाह समये ग्यारह वर्ष की कन्या थी जिन्होंने थोड़े ही समय में गृहस्थ कामकाज सीखे। उन्होंने खुद से ही अपनी सहेलियों से अक्षरज्ञान सीखा और पुस्तक पढ़ने में रुचि दीखाई। अपने बच्चों को कम उम्र में ही पढ़ाना शुरू किया। उन्होंने बिस्मिल में विविध संस्कारों का सिंचन किया। कदम – कदम पे अपने बेटे के साथ खड़ी रही। उनके कारण ही बिस्मिल में वीरता के गुण विकसे। इन सब मूझे गुणों ने प्रभावित किया।

**४. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :**

विरोध	×	समर्थन
खर्च	×	बचत
आरंभ	×	अंत
उत्साह	×	निरुत्साह
सद्व्यवहार	×	दुव्यवहार
उत्तर	×	प्रश्न

**५. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :**

माँ	-	जननी, माता
संकट	-	समस्या, आपत्ति, मुसीबत
सत्य	-	सच, यथार्थ
ऋण	-	कर्ज, उधार
परमात्मा	-	ईश्वर, प्रभु

**६. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रकार बताईए :**

१. मे बड़े उत्साह के साथ सेवा समिति में सहयोग देता था । : विधानवाचक वाक्य
२. अब मैं तुमसे नहीं मिल सकूँगा । : निषेधात्मक वाक्य
३. परमात्मा जन्म – जन्मांतर ऐसी ही माता दे । : ईच्छावाचक वाक्य
४. क्या मैं कभी तुम्हारा कर्ज चुका सकूँगा ? : प्रश्नवाचक वाक्य

